तकनीक ने पकड़वाए 15,000 मीटर टेंपरिंग के मामले

15,000 मीटरों के माध्यम से हो रही थी 83,000 किलोवॉट की बिजली चोरी

- दक्षिण और पश्चिम दिल्लीः 8600 मीटरों से छेड़छाड़, 50,000 किलोवॉट बिजली की चोरी
- पूर्वी और मध्य दिल्लीः 6500 से अधिक मीटरों से छेड़छाड़, 32,000 किलोवॉट बिजली की चोरी

नई दिल्लीः 21 नवंबर, 2013। बीएसईएस द्वारा इस्तेमाल की जा रही तकनीक ने, मीटर टेंपरिंग के 15 हजार मामले पकड़वाए हैं। इन मीटरों से छेड़छाड़ करके 83,000 किलोवॉट बिजली की चोरी की जा रही थी। मीटर टेंपरिंग के सबसे अधिक मामले कृष्णा नगर, यमुना विहार, नंद नगरी, टैगोर गार्डन और विकासपुरी जैसे इलाकों में पकड़े गए हैं।

दरअसल, बीएसईएस ने उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए हैं, जिनमें किसी भी मानवीय हस्तक्षेप की गुंजाइश नहीं हैं। अपने साथ हो रही किसी तरह की टेंपरिंग या छेड़छाड़ के मामलों को ये मीटर खुद ही रेकॉर्ड कर लेते हैं और सेंट्रल सर्वर को अपडेट कर देते हैं। इस साल अप्रैल से लेकर अब तक ऐसे 15,000 मीटरों ने खुद के साथ हुई टेंपरिंग के बारे में सेंट्रल सर्वर को सूचना दी। उन मीटरों की जब चेकिंग की गई, तो पता चला कि मीटरों में टेंपरिंग करके 83,000 किलोवॉट की बिजली चोरी की जा रही थी।

पूर्वी दिल्लीः

मीटर टेंपरिंग के माध्यम से बिजली चोरी के सर्वाधिक मामले पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर डिविजन में रेकॉर्ड किए गए। यहां 1176 मीटरों में टेंपरिंग मिली, जिससे 5764 किलोवॉट की बिजली चोरी हो रही थी। दूसरे स्थान पर यमुना विहार डिविजन है, जहां मीटर टेंपरिंग के 961 मामले पकड़ में आए, जिनसे 3964 किलोवॉट बिजली की चोरी की जा रही थी। नंद नगरी डिविजन में 915 मीटर टेंपर किए हुए मिले, जिनसे 3964 किलोवॉट बिजली की चोरी हो रही थी। करावल नगर डिविजन में 633 मीटर टेंपर मिले, जिनके माध्यम से 2790 किलोवॉट बिजली चुराई जा रही थी। लक्ष्मी नगर में मीटर टेंपरिंग के 476 मामले, जबकि जीटी रोड डिविजन में मीटर टेंपरिंग के 407 मामले पकड़े गए। लक्ष्मी नगर में मीटरों से छेड़छाड़ कर 2600 किलोवॉट बिजली की चोरी की जा रही थी, वहीं जीटी रोड डिविजन में 2406 किलोवॉट बिजली चुराई जा रही थी।

मध्य दिल्लीः

मध्य दिल्ली के पहाड़गंज डिविजन में मीटर टेंपरिंग के 370 मामले पकड़े गए, जिनमें 1624 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ में आई। दरियागंज में मीटर से छेड़छाड़ के 333 मामले सामने आए, जिनके माध्यम से 1494 किलोवॉट बिजली की चोरी हो रही थी। पटेल नगर डिविजन में मीटर से छेड़छाड़ के 245 मामले पकड़े गए, जिनसे 1571 किलोवॉट की बिजली चोरी हो रही थी। शंकर रोड डिविजन में मीटर टेंपरिंग के 174 मामले और चांदनी चौक में 147 मामले पकड़े गए। शंकर रोड में जहां मीटर से छेड़छाड़ करके 966 किलोवॉट बिजली की चोरी हो रही थी, वहीं चांदनी चौक में 590 किलोवॉट की चोरी की जा रही थी।

दक्षिण दिल्लीः

दक्षिण दिल्ली में मीटर टेंपरिंग के सबसे ज्यादा मामले सरिता विहार डिविजन में मिले। यहां 360 मीटरों में टेंपरिंग मिली, जिनसे 2124 किलोवॉट की चोरी की जा रही थी। साकेत डिविजन में 324 मीटर टेंपर हुए मिले, जिनसे 3213 किलोवॉट बिजली चुराई जा रही थी। निजामुद्दीन डिविजन में मीटर टेंपरिंग के 298 मामले पकड़ में आए, जिनके माध्यम से 2027 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ी गई। वसंत कुंज डिविजन में मीटर से छेड़छाड़ के 196

मामले मिले, हौज खास डिविजन में 192 मामले और अलकनंदा डिविजन में 187 मामले पकड़ में आए। मीटरों से छेड़छाड़ करके जहां वसंत कुंज में 1948 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ी गई, वहीं हौज खास डिविजन में 1831 किलोवॉट और अलकनंदा में 1846 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ में आई।

पश्चिमी दिल्लीः

पश्चिमी दिल्ली स्थित पालम डिविजन में मीटर से छेड़छाड़ के 1098 मामले मिले, जिनमें 5820 किलोवॉट की बिजली चोरी की जा रही थी, वहीं टैगोर गार्डन डिविजन में 858 मीटरों से छेड़छाड़ करके 4642 किलोवॉट की बिजली चुराई जा रही थी। नजफगढ़ में 792 मीटर टेंपरिंग के मामलों में 3575 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी गई। विकासपुरी डिविजन में मीटर टेंपरिंग के 787 मामलों में 4607 किलोवॉट बिजली की चोरी हो रही थी, वहीं मुंडका डिविजन में 707 मीटरों से छेड़छाड़ करके 2587 किलोवॉट बिजली की चोरी की जा रही थी। नांगलोई डिविजन में मीटर से छेड़छाड़ के 635 मामलों में 3132 किलोवॉट की बिजली चुराई जा रही थी।